अध्याय - 2 यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

स्मरणीय तथ्य

- रूस में फरवरी 1917 ई. में राजशाही का पतन हुआ और अक्टूबर 1917 ई. में सत्ता पर समाजवादियों का कब्जा हुआ ।
- रूस का अंतिम सम्राट जार निकोलस-II 1868 ई. से 17 जुलाई 1918 ई. तक शासन किया।
- 1914 ई. में रूस में मास्को के आसपास पड़ने वाले भूक्षेत्र के अलावा आज का फिनलैण्ड, लातविया, लिथुआनिया एस्तोनिया तथा पोलैंड, यूक्रेन व बेलारूस के कुछ हिस्से रूसी साम्राज्य के अंग थे।
- रूस में ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च की एक शाखा रूसी ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियैनिटी को मानने वाले बहुमत में थे।
- बीसवीं सदी के शुरुआत में रूस अनाज का एक बड़ा निर्यातक था।
- रूस में बहुत सारे कारखाने 1890 ई. के दशक में चालू हुए थे।
- धातुकर्मी, मजदूरों में खुद को श्रेष्ठ मानते थे ।
- फैक्ट्रियों में मजदूरों का शोषण होता था । उन्हें 15 घंटे तक काम करना पड़ता था ।
- औरतों को पुरुष मजदूरों के मुकाबले कम वेतन मिलता था ।
- कुछ मजदूरों ने बेरोजगारी या आर्थिक संकट के समय एक-दूसरे की मदद करने के लिये संगठन बना लिये थे।
- रूस के किसान चाहते थे कि नवाबों एवं सामंतों की जमीन छीन कर किसानों के बीच बाँट दिया जाए ।
- 1914 ई. से पहले रूस की सभी राजनीतिक पार्टियाँ गैरकानूनी थीं ।
- कुछ रूसी समाजवादियों को लगता था कि किसान ही क्राँति की मुख्य शक्ति बनेंगे ।
- लेनिन का मानना था कि किसानों में एकजूटता नहीं है, वे आपस में बँटे हुए हैं ।
- ब्लादिमीर लेनिन बोल्शेविक खेमे के मुखिया थे ।
- मेन्शेविक मानता था कि पार्टी में सभी को सदस्यता दी जानी चाहिए।
- रूस में एक निरंकुश राजशाही था ।
- सामाजिक लोकतंत्रवादी खेमा समाजवादी क्रांतिकारियों से सहमत नहीं था ।
- उदारवादियों ने 1905 ई. की क्रांति के दौरान संविधान की रचना के लिए सोशल डेमोक्रेट और समाजवादी क्रांतिकारियों को साथ लेकर काम किया ।
- वकीलों डॉक्टरों, इंजीनियरों और अन्य मध्यवर्गीय कामगारों ने संविधान सभा के गठन की मांग करते हुए यूनियन ऑफ यूनियंस की स्थापना कर दी ।
- प्रथम विश्वयुद्ध 1914 ई. में यूरोप के दो शक्तियों के बीच प्रारंभ हुआ जो बाद में दूसरे महादेशों में भी फैल गया ।
- पहले महायुद्ध के एक खेमे में जर्मनी, ऑस्ट्रिया व तुर्की थे जबकि दूसरे खेमे में फ्रांस, ब्रिटेन व रूस थे।
- युद्ध के प्रारंभ में जनता ने जार का साथ दिया।
- 1914 ई. से 1916 ई. के बीच जर्मनी और ऑस्ट्रिया में रूसी सैनिकों को भारी पराजय झेलनी पड़ी।
- 1917 ई. तक विश्वयुद्ध में 70 लाख लोग मारे जा चुके थे ।
- बाल्टिक समुद्र पर जर्मनी का कब्जा होने के कारण रूस को मिलने वाली औद्योगिक सामानों की आपूर्ति बंद हो गई।
- अच्छी सेहत वाले पुरुषों को युद्ध में झोंकने के कारण देश भर में मजदूरों की कमी पड़ने लगी। कमांडरों की सलाह पर जार ने 2 मार्च को गद्दी छोड़ दी। सोवियत और ड्यूमा के नेताओं ने देश का शासन चलाने के लिए एक अंतरिम सरकार का गठन किया।
- लेनिन के नेतृत्व में बोल्शेविक 1914 ई. से ही युद्ध का विरोध कर रहे थे।
- पूरे देश में सोवियत का गठन किया जाने लगा। जून 1917 ई. में लगभग 500 सोवियतों ने अखिल रूसी सोवियत कांग्रेस में अपने प्रतिनिधि भेजे।
- धीरे-धीरे अंतरिम सरकार और बोल्शेविकों के बीच टकराव बढ़ने लगा।
- दिसंबर 1917 ई. तक मास्को - पेत्रोग्राद इलाके पर बोल्शेविकों का नियंत्रण स्थापित हो चुका था।
- बोल्शेविक निजी सम्पत्ति के पूरी तरह खिलाफ थे।
- नवंबर 1917 ई. में बोल्शेविकों ने संविधान सभा के चुनाव कराए।
- जनवरी 1918 ई. में लेनिन ने असेंबली बर्खास्त कर दिया क्योंकि बोल्शेविकों का असेंबली में बहुमत नहीं था।
- अखिल रूसी सोवियत कांग्रेस को देश की संसद का दर्जा दे दिया गया ।
- जब बोल्शेविकों ने जमीन के पुनर्वितरण का आदेश दिया तब रुसी सैनिक अपनी नौकरी छोड़कर घर लौटने लगे क्योंकि ज्यादातर सैनिक किसान थे ।
- गैर-बोल्शेविक समाजवादियों, उदारवादियों और राजशाही के समर्थकों ने दक्षिणी रूस में इकट्ठा होकर बोल्शेविकों (रेड्स) से लड़ने के लिए टुकड़ियाँ संगठित करने लगे ।
- जनवरी 1920 ई. तक रूसी साम्राज्य के ज्यादातर हिस्सों पर बोल्शेविकों का नियंत्रण कायम हो चुका था।
- शासन के लिये केन्द्रीकृत नियोजन की व्यवस्था लागू की गई, इससे आर्थिक विकास को काफी गति मिली ।

- सामूहिक खेतों (कोलखोज) के मुनाफे को सभी किसानों के बीच बाँट दिया जाता था ।
- सामूहिकीकरण की आलोचना करने वालों को जेलों में या श्रम-शिविरों में भेज दिया गया।
- कुछ विदेशियों का सोवियत संघ की कम्युनिष्ट यूनीवर्सिटी ऑफ द वर्कर्स ऑफ दि ईस्ट में शिक्षा दी गई।
- 1950 ई. के दशक तक कई लोग यह सोचने लगे थे कि सोवियत संघ की शासन शैली रूसी क्रांति के आदर्श अनुरूप नहीं है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. रूस की क्रांति कब हुई?
a. 1915 ई. b. 1919 ई.
c. 1917 ई. d. 1921 ई.

2. अक्टूबर क्रांति किस देश में घटित हुई?
a. फ़्रांस b. इंग्लैण्ड
c. अमेरिका d. रूस

3. रूस का अंतिम सम्राट कौन था?
a. रुरिक b. ईवान
c. जार निकोलस -II d. 1921 ई.

4. रुसी साम्राज्य में किस धर्म को मानने वाले लोग थे?
a. कैथोलिक व प्रोटेस्टेंट b. बौद्ध
c. इस्लाम d. सभी धर्मो के।

5. बीसवीं सदी के शुरुआत में रूस की आबादी का कितना प्रतिशत खेती-बाड़ी से जुड़ा हुआ था?
a. लगभग 50% b. लगभग 65%
c. लगभग 85% d. लगभग 25%

6. बीसवीं सदी के प्रारंभ में किस देश के सर्वाधिक लोग कृषि पर आश्रित थे?
a. ब्रिटेन b. रूस
c. जर्मनी d. ऑस्ट्रिया

7. रूस के प्रारंभिक औद्योगिक इलाके कौन थे?
a. सेंट पीट्सबर्ग b. मास्को
c. a और b दोनों। d. इनमें से कोई नहीं।।

8. 1914 ई. में रूस में फैक्ट्री मजदूरों में औरतों की संख्या, रूस में कितनी थी?
a. 21% b. 31%
c. 41% d. 51%

9. रूसी किसान समय-समय पर अपनी सारी जमीन किसे सौंप देते थे?
a. कम्यून (मीर) b. सम्राट
c. सामंत d. चर्च

10. कम्यून जमीन का बँटवारा किस आधार पर करता था?
a. अपनी मर्जी से।
b. धार्मिक आधार पर।
c. सामाजिक आधार पर।
d. परिवार के जरूरत के आधार पर।

11. मार्क्स के विचारों को मानने वाले समाजवादियों ने रशियन सोशल डेमोक्रेटिक वर्कर्स पार्टी (रूसी सामाजिक लोकतांत्रिक श्रमिक पार्टी) का गठन कब किया?
a. 1888 ई. b. 1890 ई.
c. 1895 ई. d. 1898 ई.

12. सोशलिस्ट रेवलूशनरी पार्टी (समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी) का गठन कब किया गया?
a. 1900 ई. b. 1917 ई.
c. 1895 ई. d. 1998 ई.

13. 1904 ई. में रूस में मँहगाई में वृद्धि के कारण, मजदूरों के वास्तविक वेतन में कितने प्रतिशत की कमी आई?
a. 10 b. 20
c. 30 d. 40

14. रूसी श्रमिक सभा (असेंबली ऑफ रशियन वर्कर्स) का गठन कब हुआ था?
a. 1900 ई. b. 1902 ई.
c. 1904 ई. d. 1908 ई.

15. विंटर पैलेस क्या था?
a. जार का महल।
b. पादरी का निवास।
c. एक विशेष सामंत का महल।
d. इनमें से कोई नहीं।।

16. खूनी रविवार के दिन कितने मजदूर मारे गये ?
a. 400 से अधिक। b. 300 से अधिक।
c. 200 से अधिक। d. 100 से अधिक।

17. जदीदी कौन थे?
a. रूसी साम्राज्य में सक्रिय क्रिश्चियन सुधारवादी।
b. रूसी साम्राज्य में सक्रिय मुस्लिम सुधारवादी।
c. रूसी साम्राज्य में आतंक फैलाने वाले।
d. इनमें से कोई नहीं।।

18. जार ने एक निर्वाचित परामर्शदाता संसद या ड्यूमा का गठन कब किया?
a. 1904 ई. b. 1905 ई.
c. 1908 ई. d. 1910 ई.

19. जार ने पहली ड्यूमा को कितने दिनों के भीतर बर्खास्त कर दिया?
a. 75 दिन b. 3 महीना
c. 2 महीना d. 1 महीना

20. निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही है?
a. जार ने पहली ड्यूमा को मात्र 75 दिन के भीतर बर्खास्त कर दिया।

b. जार ने दूसरी ड्यूमा को 3 महीने के भीतर बर्खास्त कर दिया।

c. जार ने मतदान कानूनों में फेरबदल कर तीसरी ड्यूमा में रूढ़िवादी राजनेताओं को भर डाला।

d. सभी सही हैं।

21. 1914 ई. में दो यूरोपीय गठबंधनों के बीच युद्ध छिड़ गया था - इस युद्ध को किस नाम से जानते हैं?

a. प्रथम विश्व युद्ध b. द्वितीय विश्वयुद्ध

c. सप्तवर्षीय युद्ध d. इनमें से कोई नहीं। ।

22. प्रथम विश्वयुद्ध के केन्द्रीय शक्तियों के गुट में कौन-कौन देश शामिल था?

a. जर्मनी, ऑस्ट्रिया व इंगलैण्ड।

b. जर्मनी, तुर्की व इंगलैण्ड।

c. जर्मनी तुर्की व ऑस्ट्रिया।

d. इंग्लैण्ड, तुर्की व फ़्रांस।

23. रूस के साथ दूसरे खेमे में बाद में कौन देश शामिल हो गया?

a. इटली b. रूमानिया

c. a और b दोनों d. इनमें से कोई नहीं।।

24. सेंट पीटर्सबर्ग का नाम बदल कर क्या कर दिया गया ?

a. मास्को b. लेनिनग्राद

c. वेल्गाग्राद d. पेत्रोग्राद

25. जारीना किसे कहा जाता था?

a. कुलीन महिलाओं को।

b. पादरी के निवास-स्थल की देख-रेख करने वाली महिला ।

c. जार की पत्नी।

d. इनमें से कोई नहीं।।

26. जार निकोलस द्वितीय की पत्नी का क्या नाम था?

a. अलेक्सांद्रा b. मारी आन्त्वानेट

c. मैरी ट्यूडर d. इनमें से कोई नहीं। ।

27. अलेक्सांद्रा किस मूल की थी?

a. रूसी b. ऑस्ट्रिया

c. जर्मन d. अमेरिकी

28. रासपुतिन कौन था?

a. महारानी अलेक्सांद्रा के सलाहकार।

b. संन्यासी।

c. a व और b दोनों।

d. इनमें से कोई नहीं।।

29. शाही रूसी सेना के बारे में क्या सही है?

a. शाही रूसी सेना को 'रूसी स्टीमरोलर' कहा जाता था।

b. यह दुनिया की सबसे बड़ी सशस्त्र सेना थी।

c. इसने जब अपनी निष्ठा बदल कर कांतिकारियों को समर्थन दिया तो जार की सत्ता ढह गई।

d. सभी सही है ।

30. 1916 ई. की सर्दियों में रोटी दुकानों पर अकसर दंगे क्यों होने लगे?

a. रोटी और आटे की किल्लत की वजह से ।

b. बेहतर रोटी की मांग को लेकर।

c. सस्ते रोटी की वजह से।

d. इनमें से कोई नहीं। ।

31. पेत्रोग्राद शहर में मजदूरों के क्वार्टर और कारखाने कहाँ स्थित थे?

a. नेवा नदी के बाएँ तट पर। b. नेवा नदी के दाएँ तट पर।

c. नेवा नदी से काफी दूर। d. इनमें से कोई नहीं। ।

32. सिपाही और मजदूर एक सोवियत या परिषद का गठन करने के लिए कहाँ इकट्ठे हुए?

a. जार के महल में।

b. जहाँ ड्यूमा की बैठक होती थी ।

c. एक खुले मैदान में ।

d. इनमें से कोई नहीं। ।

33. लेनिन की 'अप्रैल थीसिस' में कितनी माँगे थी।

a. 2 b. 3

c. 4 d. 5

34. लेनिन ने वोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर कौन सी पार्टी करने का सुझाव दिया?

a. कम्युनिष्ट पार्टी b. समाजवादी पार्टी

c. साम्यवादी पार्टी d. समता पार्टी

35. जार ने कब पदत्याग किया ?

a. 4 मार्च 1917 ई. b. 8 मार्च 1917 ई.

c. 2 मार्च 1917 ई. d. 10 मार्च 1917 ई.

36. प्रतियोगिता के द्वारा सोवियत टोपी (बुदियोनोब्का) का चुनाव कब किया गया ?

a. 1912 ई. b. 1918 ई.

c. 1920 ई. d. 1921 ई.

37. सत्ता पर कब्जे के लिए किनके नेतृत्व में सोवियत की ओर से एक सैनिक क्रांतिकारी समिति का गठन किया गया?

a. लियॉन ट्रॉटस्की b. लेनिन

c. स्टालिन d. इनमें से कोई नहीं।।

38. मार्च 1918 ई. में वोल्शेविकों ने किस स्थान पर जर्मनी के साथ संधि की?

a. मास्को b. वोल्गाग्राद

c. ब्रेस्ट लिटोव्स्क d. पेट्रोग्राद

39. रूस कितने दलीय राजनीतिक व्यवस्था वाला देश बन गया था?

a. 4 b. 3

c. 2 d. 1

40. 1918 ई. और 1919 ई. में रुसी साम्राज्य के ज्यादातर हिस्सों पर किनका नियंत्रण था?

a. वोल्शेविकों (रेड्स)
b. सामाजिक क्रांतिकारियों (ग्रीन्स)
c. जार समर्थकों (व्हाइट्स) ।
d. b और c दोनों।

41. रूस में गुप्तचर पुलिस को किस नाम से जानते थे ?

a. चेका
b. ओजीपीयू
c. एनकेवीडी
d. उपर्युक्त सभी ।

42. बोल्शेविकों के विरोधियों को किस देश का समर्थन मिल रहा था?

a. फ़्रांस
b. अमेरिका
c. ब्रिटेन और जापान
d. उपर्युक्त सभी ।

43. रूस में गृहयुद्ध माना जाता है ? का समय कबसे कब तक

a. 1918 ई. – 20 ई.
b. 1917 ई.– 19 ई.
c. 1919 ई. – 21 ई.
d. 1920 ई.– 22 ई.

44. भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के संस्थापक कौन थे?

a. एवलिन ट्रेंट
b. अबानी मुखर्जी
c. एमपीटी आचार्य
d. एम. एन. रॉय

45. सोवियत संघ की पहली पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल कब-से-कब तक रहा?

a. 1928 ई.-32 ई.
b. 1932 ई.-37 ई.
c. 1937 ई.-42 ई.
d. 1948 ई.-47 ई.

46. 1927- 1928 के आसपास रूस के शहरों में अनाज का भारी संकट क्यों पैदा हुआ?

a. सूखा पड़ने की वजह से।
b. अनाज के निर्यात की वजह से।
c. किसान तय कीमत पर सरकार को अनाज देने को तैयार नहीं थे।
d. इनमें से कोई नहीं।।

47. रूस में 'कुलक' किसे कहा जाता था?

a. गरीब किसान।
b. सम्पन्न किसान।
c. मजदूर।
d. पादरी का एक वर्ग ।

48. लेनिन के बाद कम्युनिष्ट पार्टी की कमान किसने संभाली?

a. मिखाइल गोर्बाचेव
b. लियॉन ट्रॉट्स्की
c. स्टालिन
d. इनमें से कोई नहीं। ।

49. खेतों के सामूहिकीकरण का फैसला क्यों लिया गया?

a. अनाज की कमी को दूर करने के लिये ।
b. क्योंकि खेत बहुत छोटे-छोटे थे?
c. a और b दोनों।
d. इनमें से कोई नहीं। ।

50. कब से कम्युनिष्ट पार्टी ने सभी किसानों को सामूहिक खेतों में काम करने का आदेश जारी किया?

a. 1927 ई.
b. 1929 ई.
c. 1931 ई.
d. 1933 ई.

51. 'कोलखोज' क्या था?

a. कल-कारखाने
b. निजी खेत
c. सामूहिक खेत
d. चर्च की भूमि ।

52. सोवियत संघ में 1929 ई0 से 1931 ई0 के बीच मवेशियों की संख्या में एक तिहाई की कमी क्यों हुई थी?

a. सामूहिक खेती के मुनाफे को किसानों के बीच बांट दिया जाता था।
b. किसान अपने जानवरों को खत्म करने लगे।
c. a और b दोनों सही है।
d. पशुओं की बीमारी के कारण।

53. समुहिकीकरण का विरोध करने वाले लोगों के साथ सरकार कैसा व्यवहार करती थी ?

a. पुरस्कार देती थी।
b. निजी खेत मुहैय्या कराती थी।
c. उदासीन रवैय्या था
d. सख्त सजा दी जाती थी, बहुत सारे लोगों को देश निकाला भी दे दिया गया था।

54. निम्नांकित में कौन सही है?

a. स्तालिन सरकार ने सीमित स्तर पर स्वतंत्र किसानी की व्यवस्था भी जारी रहने दी।
b. स्वतंत्र किसानों को कोई खास मदद नहीं दी जाती थी।
c. a और b दोनों सही है।
d. उपरोक्त में से कोई नहीं।

55. इतिहास का सबसे बड़ा अकाल कब पड़ा?

a. 1927 ई.-30 ई.
b. 1930 ई.-33 ई.
c. 1933 ई.-36 ई.
d. 1940 ई.-43 ई.

56. 1930- 33 के अकाल में सोवियत संघ में कितने लोग मरे?

a. लगभग 40 लाख।
b. लगभग 30 लाख।
c. लगभग 20 लाख।
d. लगभग 10 लाख।

57. बोल्शेविकों द्वारा बनाये गये कॉमिन्टर्न क्या था?

a. पूँजीवादी राष्ट्रों का महासंघ।
b. सोवियत संघ के पड़ोसी देशों का संगठन।
c. स्वतंत्र देशों का संगठन।
d. बोल्शेविक समर्थक समाजवादी पार्टियों का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ।

58. प्रतिक्रांतिकारी किसे कहा जाता था?

a. जो क्राँति का समर्थन करते थे ।
b. जो क्रांति के प्रति उदासीन थे।
c. जो क्रांति का विरोध करते थे।
d. इनमें से कोई नहीं।।

59. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ?

a. 1990 ई. b. 1991 ई.

c. 1992 ई. d. 1993 ई.

60. बोल्शेविक पार्टी के नेता कौन थे?

a. लियॉन ट्रॉट्स्की b. करेंस्की

c. व्लादिमीर लेनिन d. कार्ल मार्क्स

61. 'विश्व के एकजूट मजदूर' का नारा किससे जुड़ा था?

a. फांसीसी क्रांति b. रूसी क्रांति

c. अमरीकी कांति d. इंगलैण्ड की क्रांति

62. निम्नलिखित में से कौन सा देश पूर्व सोवियत संघ का हिस्सा नहीं था?

a. मोलदोव b. जॉर्जिया

c. इंगलैण्ड d. रूस

63. किस दिन को 'खूनी रविवार' के रूप में जाना जाना था?

a. 22 जनवरी 1898 ई. b. 22 जनवरी 1900 ई.

c. 22 जनवरी 1907 ई. d. 22 जनवरी 1905 ई.

64. रुसी क्रांति के जनक कौन थे?

a. महात्मा गाँधी b. मैक्स मूलर

c. कार्ल मार्क्स d. लेनिन

65. सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय की अवधारणा किस क्रांति से ली गई है?

a. फ्रांसीसी क्रांति b. अमेरिकी क्रांति

c. रूसी क्रांति d. इंगलैण्ड की क्रांति

66. 1917 ई. की रूसी क्रांति का तात्कालिक कारण था?

a. किसानों का असंतोष।

b. प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय।

c. जार की अयोग्यता।

d. रासपुटीन का प्रभाव।

67. आधुनिक रूस का निर्माता किसे माना जाता है?

a. स्तालिन b. मैक्सिम गोर्की

c. कार्ल मार्क्स d. लेनिन

68. बोल्शेविक क्रांति कब हुई?

a. फरवरी 1917 ई. b. नवम्बर 1917 ई.

c. अप्रैल 1917 ई. d. दिसम्बर 1917 ई.

69. रूस में क्रांति के समय कौन सा कैलेन्डर प्रचलित था?

a. ग्रिगेरियन कैलेन्डर।

b. जूलियन कैलेन्डर।

c. दोनों प्रचलित था।

d. कोई कैलेन्डर प्रचलित नहीं था।

70. बोल्शेविक और मेन्शेविक का विभाजन कब हुआ था?

a. 1903 ई. b. 1905 ई.

c. 1907 ई. d. 1917 ई.

71. रूस में राजशाही के पतन की घटना को किस नाम से जानते हैं?

a. खूनी रविवार b. अक्टूबर क्रांति

c. मार्च क्रांति d. इनमें से कोई नहीं।।

72. पूँजीवादी उद्यमों की जगह सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा देने वाला लुई ब्लांक का संबंध किस देश से था?

a. फ्रांस b. जापान

c. अमेरिका d. रूस

73. मई 1871 ई. में पेरिस की नगर परिषद् पर 'जन सरकार' ने कब्जा कर 'पेरिस कम्यून' स्थापित किया। इसके बारे में क्या सही है?

a. दुनिया भर के समाजवादी इसे समाजवादी क्रांति की पूर्वपीठिका के रूप में याद करते हैं।

b. मजदूरों के लाल झंडे का उदय इसी घटना से हुआ था।

c. मार्सेयेस गीत इस घटना के बाद मुक्ति संघर्ष का प्रतीक बन गया ।

d. सभी सही है।

74. द्वितीय इंटरनैशनल क्या था?

a. पूँजीवादियों की एक संस्था।

b. समाजवादियों की एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था।

c. जर्मनी के सहायक देशों की संस्था।

d. इनमें से कोई नहीं।।

75. निम्नांकित में से कौन गलत है?

a. सोवियत संघ - कांग्रेस पार्टी।

b. ब्रिटेन - लेबर पार्टी।

c. फ़्रांस – सोशलिस्ट पार्टी।

d. जर्मनी – सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी।

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1	c	20	d	39	d	58	c
2	d	21	a	40	d	59	b
3	c	22	c	41	d	60	c
4	a	23	c	42	d	61	b
5	c	24	d	43	a	62	c
6	b	25	c	44	d	63	d
7	c	26	a	45	a	64	d
8	b	27	c	46	c	65	c
9	a	28	c	47	b	66	b
10	d	29	d	48	c	67	a
11	d	30	a	49	c	68	b

12	a	31	b	50	b	69	b
13	b	32	b	51	c	70	a
14	c	33	b	52	c	71	b
15	a	34	a	53	d	72	a
16	a	35	c	54	c	73	d
17	b	36	b	55	b	74	b
18	b	37	a	56	a	75	a
19	a	38	c	57	d		

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. उदारवादी कैसा राष्ट्र बनाना चाहते थे ?

उत्तर- उदारवादी ऐसा राष्ट्र चाहते थे जिसमें सभी धर्मों को बराबर का सम्मान और जगह मिले। साथ ही वंश आधारित शासकों की अनियंत्रित सत्ता न हो ।

2. मताधिकार आंदोलन क्या था ?

उत्तर- वोट डालने का अधिकार पाने के लिये चलाया गया आंदोलन मताधिकार आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

3. रेडिकल समूह के लोग कैसी सरकार बनाना चाहते थे?

उत्तर- रेडिकल समूह देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित सरकार बनाना चाहते थे ।

4. गिसेप्पे मेजिनी कौन था?

उत्तर- गिसेप्पे मेजिनी, इटली का एक राष्ट्रवादी नेता था, जिसने सभी नागरिकों को समान अधिकार दिलाने के लिये अपने समर्थकों के साथ राजा के खिलाफ साज़िश रची थी ।

5. रॉबर्ट ओवन कौन थे?

उत्तर- इंगलैण्ड के जाने-माने उद्योगपति रॉबर्ट ओवन ने इंडियाना (अमेरिका) में 'नया समन्वय' के नाम से एक नये तरह के समुदाय की रचना का प्रयास किया था ।

6. कोऑपरेटिव क्या था?

उत्तर- कोऑपरेटिव ऐसे लोगों का समूह था जो मिल कर चीजें बनाते थे और मुनाफे को प्रत्येक सदस्य द्वारा दिए गए काम के हिसाब से आपस में बाँट लेते थे।

7. साम्यवादी समाज क्या है?

उत्तर- साम्यवादी समाज, कार्ल मार्क्स का काल्पनिक समाज है, जिसमें सारी सम्पत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण और स्वामित्व रहेगा।

8. लेनिन का किसानों के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

उत्तर- लेनिन का मानना था कि किसानों में एकजुटता नहीं है, और आपसी विभेदों के चलते वे सभी समाजवादी आंदोलन का हिस्सा नहीं हो सकते थे।

9. 'अप्रैल थिसिस' क्या था?

उत्तर- प्रथम विश्वयुद्ध के समय लेनिन ने मुख्य तीन माँगें रखीं - युद्ध समाप्त किया जाए, सारी जमीन किसानों के हवाले की जाए और बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाए, इन तीनों माँगों को सम्मिलित रूप से अप्रैल थिसिस के नाम जाना जाता है।

10. कॉमिन्टर्न क्या था?

उत्तर- कॉमिन्टर्न कम्युनिष्ट पार्टियों की एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था थी। यह शब्द 'कम्युनिष्ट इंटरनेशनल' का संक्षिप्त रूप है।

12. गुप्तचर पुलिस (चेका) बोल्शेविकों की आलोचना करने वालों के साथ कैसा व्यवहार करती थी?

उत्तर- गुप्तचर पुलिस (चेका) बोल्शेविकों की आलोचना करने वालों को कठोर दंड देती थी ।

13. रूसी साम्राज्य के ज्यादातर हिस्सों पर बाल्शेविकों का नियंत्रण किनके मदद से कायम हुआ ?

उत्तर- रुसी साम्राज्य के ज्यादातर हिस्सों पर बोल्शेविकों का नियंत्रण गैर – रुसी राष्ट्रवादियों और मुस्लिम जदीदियों की मदद से कायम हुआ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कार्ल मार्क्स पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर- कार्ल मार्क्स (1818 ई.-1882 ई.) एक महान साम्यवादी दार्शनिक था । मार्क्स के अनुसार औद्योगिक समाज 'पूँजीवादी' समाज है । फैक्ट्रियों का स्वामित्व पूँजीपतियाँ के पास रहता है । मजदूर अपने मेहनत से मुनाफा पैदा करता है । मुनाफा का अधिकांश हिस्सा पूँजीपति, निजी संपत्ति के रूप में धन का संचय करते हैं । इससे मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं होता है ।

अतः मार्क्स का कहना है कि मजदूरों को पूँजीवाद और निजी संपत्ति पर आधारित शासन को उखाड़ फेंकना होगा । मार्क्स को विश्वास था कि पूँजीपतियों के साथ होने वाले संघर्ष में जीत मजदूरों की होगी । इसके बाद जो नया समाज का निर्माण होगा, वह पूँजीवादी शोषण से मुक्त होगा । जिसमें सारी संपत्ति पर पूरे समाज का सामाजिक नियंत्रण और स्वामित्व रहेगा । मार्क्स ने भविष्य के इस समाज का नाम साम्यवादी (कम्युनिस्ट) समाज रखा ।

2. बोल्शेविकों ने अक्टूबर 1917 ई. की क्रांति के फौरन बाद कौन-कौन से प्रमुख परिवर्तन किये?

उत्तर- अक्टूबर 1917 ई. की क्रांति द्वारा रूस की सत्ता 'बोल्शेविकों' के हाथों में आयी । इसी के साथ बोल्शेविकों ने रूस में निम्नलिखित प्रमुख परिवर्तन किये -

- ज्यादातर निजी उद्योगों और बैंको का राष्ट्रीयकरण नवंबर 1917 ई. तक कर दिया गया ।
- किसानों को सामंतों की जमीनों पर कब्जा करने की खुली छूट दे दी गई ।
- शहरों में मकान मालिकों के लिए पर्याप्त हिस्सा - छोड़कर शेष हिस्सों को बेघरों एवं जरूरतमंदों लोगों को दे दिया गया।
- अभिजात्य वर्ग द्वारा पुरानी पदवियों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई ।
- सेना और सरकारी अफसरों की वर्दियाँ बदल दी गई।
- बोल्शेविक पार्टी का नाम बदल कर रुसी कम्युनिस्ट पार्टी (बोल्शेविक) रख दिया गया । रूस एक दलीय राजनीतिक व्यवस्था वाला देश बन गया ।

3. यूरोप के आमूल परिवर्तनवादी या रैडिकल विचारधारा वाले समूह का समाज परिवर्तन के संबंध में क्या विचार था?

उत्तर- रैडिकल विचारधारा वाले समूह में समाज के बहुसंख्यक एवं कम समृद्ध वर्ग जैसे किसान मजदूर, छोटे दुकानदार आदि लोग शामिल थे। ये लोग सामाजिक और सत्ता परिवर्तन के घोर समर्थक थे। इनके विचार के अनुसार-

- ऐसी सकार का निमार्ण होना चाहिए जो देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित हो।
- बहुत सारे रैडिकल लोग महिला मताधिकार के समर्थक थे।
- ये बड़े जमींदारो, संपन्न उद्योगपतियों को प्राप्त किसी भी तरह के विशेषाधिकारों के खिलाफ थे।
- ये निजी संपत्ति के विरोधी नहीं थे लेकिन इनका मानना था कि कुछ लोगों के पास संपत्ति का संकेंद्रण नहीं होना चाहिए।

4. यूरोप के रूढ़िवादी विचार समूह का सत्ता और सामाजिक परिवर्तन के संबंध में क्या विचार था?

उत्तर- यूरोप का रूढ़िवादी समूह रैडिकल और उदारवादी दोनों के खिलाफ था। रूढ़िवादी समूह राजतंत्र के घोर समर्थक और क्रांति के विरोधी थे। ये विशेषाधिकारों से युक्त सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखना चाहते थे।

लेकिन फ्रांसीसी क्रांति के बाद रूढ़िवादी समूह भी बदलाव की जरूरत को स्वीकार करने लगे थे। परंतु इनका मानना था कि कुछ नया के साथ अतीत का सम्मान किया जाए तथा बदलाव की प्रक्रिया धीमी हो ।

5. 1905 ई. की क्रांति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें?

या

रूस के इतिहास में कौन-सी घटना खूनी रविवार के नाम से जानी जाती है? संक्षेप में लिखे।

उत्तर- 22 जनवरी, 1905 ई. को सेंट पीटर्सबर्ग की एक घटना को खूनी रविवार कहा जाता है। इस दिन जापान से रूस की हार के विरोध में रुसी जनता प्रदर्शन करते हुए सेंट पिट्सबर्ग में स्थित महल के तरफ जा रही थी, तब जार सेना ने इन सभी प्रदर्शनकारियों पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी, जिसकी वजह से हजारों लोगों की जान गई, क्योंकि इस दिन रविवार था इसलिए इसे "खूनी रविवार" कहा जाता है। खूनी रविवार, ब्लडी सण्डे एंव रेड सण्डे के नाम से भी जाना जाता है । यह घटना कई मौतों का कारण बना। इसलिए कुछ लोग इसे 1905 ई. की रुसी क्रांति के नाम से भी जानते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. यूरोप के उदारवादी विचारधारा वाले समूह का वर्णन करें।

या

यूरोप के उदारवादी विचारधारा वाले समूह का समाज परिवर्तन के संबंध में क्या विचार था?

उत्तर- यूरोप के उदारवादी विचारधारा वाले समूह में समाज के मध्य वर्ग के लोग जैसे - डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक, व्यापारी अदालती कर्मचारी आदि पढ़े-लिखे लोग शामिल थे। यह समूह समाजिक परिवर्तन का पक्षधर था। समाज परिवर्तन के संबंध में इनके विचार निम्नलिखित थे:-

- उदारवादी ऐसा राष्ट्र चाहते थे जिसमें सभी धर्मों को बराबर का सम्मान मिले।
- ये वंश-आधारित शासकों की अनियंत्रित सत्ता के विरोधी थे।
- यह समूह प्रतिनिधितव पर आधारित निर्वाचित सरकार के पक्ष में था जो शासकों और अफसरों के प्रभाव से मुक्त और न्यायपालिका द्वारा संरक्षित कानूनों के अनुसार शासन कार्य करें।
- यह समूह सरकार के समक्ष व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा के पक्षधर थे।

लेकिन उदारवादी समूह 'लोकतंत्रवादी' नहीं था। अर्थात ये लोग सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार यानि सभी नागरिकों को वोट का अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे। ये केवल संपत्तिधारियों को ही वोट का अधिकार देने के पक्ष में थे।

2. 1917 ई. से पहले रूस की कामकाजी आबादी यूरोप के बाकी देशों के मुकाबले किन-किन स्तरों पर भिन्न थी?

उत्तर- 1917 ई. से पहले रूस यूरोप के सबसे पिछड़े औद्योगिक देशों में से एक कृषि प्रधान देश था। रूस की कामकाजी आबादी यूरोप के बाकी देशों के मुकाबले निम्नलिखित स्तरों पर भिन्न थी –

- रूसी साम्राज्य की लगभग 85 प्रतिशत जनता आजीविका के लिए खेती-बाड़ी पर निर्भर था। वहीं फ्रांस और जर्मनी में खेती पर निर्भर आबादी लगभग 40 से 50 प्रतिशत थी।
- उद्योग धंधे विकसित नहीं था। सेंट पीटर्सबर्ग और मास्को प्रमुख औद्योगिक केन्द्र थे। हालांकि 1890 ई. के दशक में रूसी उद्योगों में विदेशी निवेश और रेल नेटवर्क के विस्तार से कोयला उत्पादन और स्टील उत्पादन में क्रमशः दो गुना से चार गुना वृद्धि हुई।
- ज्यादातर निजी उद्योग धंधे थे। जहाँ मज़दूरों का शोषण होता था। वर्कशॉपों मे प्रायः 15 घंटे तक काम करना पड़ता था, वहीं कारखानों में मजदूर 10-12 घंटे तक काम करते थे।
- सामाजिक स्तर पर मजदूर बँटे हुए थे। धातुकर्मी मजदूरों में खुद को साहब मानते थे। बहुत सारे मजदूर स्थायी रूप से शहरों में बस गये थे। जबकि कुछ मजदूर अभी भी अपने को गाँवों से जोड़े हुए था। 1914 ई. में फैक्ट्री मजदूरों में महिलाओं की संख्या 31 % थी, लेकिन इन्हें पुरुषों के मुकाबले आधे से तीन चौथाई वेतन मिलता था। हालांकि अर्थिक संकट या बेरोजगारी के समय कुछ मजदूरों ने एक-दूसरे की मदद के लिए संगठन बना लिये थे।
- गाँवों की ज्यादातर जमीन पर किसान खेती करते थे। लेकिन जमीन पर सामंतो, राजशाही और आर्थोडॉक्स चर्च का कब्जा था। रूस के किसान सामंतों और नवाब का सम्मान नहीं करते थे। किसान चाहते थे कि नवाबों की जमीन छीनकर किसानों के बीच बाँट दी जाए। 1905 ई.

तक जमींदारों की हत्याओं की घटना बढ़ चुकी थी। इसके विपरीत फ्रांसीसी क्रांति के दौरान ब्रिटनी के किसान नवाबों का सम्मान करते हुए उन्हें बचाने का भी काम किये।

- रूस के किसान समय-समय पर सारी जमीन को अपने कम्यून मीर को सौंप देते थे और फिर कम्यून प्रत्येक परिवार को जरूरत के हिसाब से जमीन बाँट देता था। यूरोप के बाकी देशों में ऐसी व्यवस्था या परम्परा नहीं थी।

3. स्तालिन का सामूहिकीकरण कार्यक्रम के बारे संक्षेप में लिखिए:-

उत्तर- ब्लादीमीर लेनिन की मृत्यु के बाद रूसी कम्युनिस्ट पार्टी (बो-ल्शेविक) की कमान 'स्तालिन' के हाथों में आया। 1929 ई.से स्तालिन ने खेतो का सामूहिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम के द्वारा किसानों के छोटे-छोटे खेत को जोड़ कर बड़े सामूहिक खेत बनाए गये। इन सामूहिक खेती को कोलखोज भी कहा जाता है। सभी किसान अब सामूहिक खेतों में काम करते और मुनाफे को आपस में सभी किसानों के बीच बाँट दिया जाता था। खेतों के सामूहिकीकरण के पीछे स्तालिन की सोच अनेक कारणों से रही थी –

(i) 1927 ई. -1928 ई. के बीच रूस के शहरों में अनाज का भारी संकट पैदा हो गया था। सरकार ने अनाज की कीमत तय कर दी थी जबकि किसान उस कीमत पर अपना अनाज सरकार को बेचना नहीं चाहते थे।

(ii) स्तालिन का मानना था कि संपन्न किसान (कुलक) और व्यापारी कीमत बढ़ने की उम्मीद में अनाज की जमाखोरी कर रहे हैं। अतः स्तालिन ने किसानों से जबरन अनाज खरीदा।

(iii) स्तालिन के उपरोक्त कदमों के बाद भी जब अनाज की समस्या बनी रही तो उसने खेतों का सामूहिकीकरण का फैसला लिया।

दरअसल 1917 ई. के बाद किसानों को जमीन सौंप दी गई थी जिससे खेत छोटे-छोटे हो गए थे। स्तालिन के अनुसार इन खेतों पर आधुनिक कृषि विकसित करने के लिए इसका सामूहिकीकरण करना जरूरी है। इसके लिए कुलको और किसानों से जमीन छीन कर राज्य नियंत्रित सामूहिकीकरण कार्यक्रम चलाया गया।

खेतों के सामूहिकीकरण के बावजूद उत्पादन में कोई खास वृद्धि नहीं हुई। बल्कि 1930 ई.-1933 ई. के बीच खराब फसल के कारण पड़े अकाल में 40 लाख लोग मारे गये।